Title: Demand to develop the roads and preserve the ancient archeological sites in Bundelkhand Region.

डा. रामकृण कुसुमरिया : अध्यक्ष महोद्य, बुंदेलखंड अपनी प्राकृतिक, सांस्कृतिक और ऐतिहासिक एवं पुरातत्व धरोहर में सम्पन्न है किन्तु उदासीनता की वजह से पूरे क्षेत्र का विकास नहीं हो सका है और यह पुरातत्व धरोहर धीरे-धीरे नट होती चली जा रही है। ओरछा, खजुराहो, कालिंजर, चित्रकूट, सांरग मंदिर, चौमुख नाथ, सिद्धनाथ, कुंडरपुर बांदकपुर, नयनागिरि, द्रोणगिरि, भीमकुंड, पांड्व प्रपात, भेंड़ाघाट, राट्रीय उद्यान पन्ना और मगरमच्छ सैंचुरी इत्यादि इतने रमणीक और सुरम्य पर्वत मालाओं के बीच विद्यमान है।

13.00 hrs.

किन्तु आवागमन की समुचित सुविधा न होने के कारण इनका विकास रुका हुआ है। अतः केन्द्र सरकार से मेरी गुजारिश है कि पुरातत्व, पर्यटन और ट्रांसपोर्ट विभागों के द्वारा एक ऐसा पैकेज तैयार किया जाये ताकि आवागमन की सुविधा हो और पुरातत्व महत्व की इस सम्पदा को अक्षुण्ण रखा जा सके।